>

Title : Need to give two percent reservation to the fire victims in Indira Awaas Yojana.

श्री अर्जुन राम मेघवाल : आप भी पगड़ी पहने हुए हैं, बिल्कुल, ट्रैंगुल बना है।

सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। मैं आपका ध्यान एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दे की ओर दिलाना चाहता हूं। भारत सरकार की ग्रामीण विकास मंत्रालय की एक बहुत महत्वपूर्ण योजना, इंदिरा आवास योजना है। **...**(व्यवधान) सामी जी, मैं रेगिस्तान से आता हूं, इसलिए मुझे प्राथमिकता मिलनी चाहिए। **...**(व्यवधान) यह रेगिस्तान का ऐसा मसला है, जो बहुत महत्वपूर्ण है। मैं आपको बताना चाहता हूं कि इंदिरा आवास योजना में एक ग्राम पंचायत मुख्यालय को एक या दो का टार्गेट या अधिक से अधिक तीन या चार का टार्गेट आता है, इससे ज्यादा टार्गेट नहीं आता है। कभी-कभी तो एवरेज ही दो का होता है। लक्ष्य पूरा होने के बाद यदि उस ग्राम पंचायत में अगर आग लग गयी और उसमें बीपीएल की फेमिली में भी आग लग गयी, तो वह कहते हैं कि इंदिरा आवास योजना में हम अग्नि पीड़ितों की सहायता नहीं कर सकते, क्योंकि we do not have a separate target. मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि मैं बीकानेर संसदीय क्षेत्र से आता हूं और मेरा इलाका रेगिस्तानी है। पिछले कुछ समय में बीपीएल के कई लोगों के यहां आग लगी। मैंने रिक्वैस्ट की, लेकिन वह कह रहे हैं कि हमारे पास अग्नि पीड़ितों के लिए कोई सेपरेट टार्गेट नहीं है, इसलिए हम आपकी कोई मदद नहीं कर सकते हैं। मैं आपके माध्यम से सरकार के रूरल डेवलपमेंट मंत्रालय से कहना चाहता हूं कि हमारे यहां गर्मियां अभी शुरू नहीं हुयी हैं। अब गर्मियां शुरू होने वाली हैं। रेगिस्तानी इलाके में बहुत ज्यादा संख्या में आग लगने की घटनायें होती हैं और उसमें सबसे ज्यादा बीपीएल का आदमी प्रभावित होता है। मैं कहना चाहता हूं कि दो पर्सेंट रिजर्वेशन अग्नि पीड़ितों के लिए इंदिरा आवास योजना में कर दिया जाए। यह प्रावधान पहले था। यह प्रावधान क्यों खत्म किया गया? मेरे समझ में यह बात नहीं आयी। अगर दो पर्सेंट का प्रावधान आप इसमें कर देंगे तो इंदिरा आवास योजना का भी लाभ होगा और अग्नि पीड़ितों को भी फायदा होगा। आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

सभापति महोदय : श्री अनुराग सिंह ठाकुर और श्री वीरेन्द्र कुमार अपने आपको श्री अर्जुन राम मेघवाल के साथ सम्बद्ध करते हैं।

SHRI J.M. AARON RASHID (THENI): Thank you very much, Sir. I am going to raise an important issue.

MR. CHAIRMAN : I feel myself lucky that you are speaking at the time when I am in the Chair.